दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश

PRN: MCN/329/2025-2027
epaper.swarnimpradesh.in

संरक्षक: मां वैष्णो देवी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।

ईमेल: swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वर्ष : 8 • अंक : 246 • मुंबई, सोमवार 16 मार्च, 2026 • पृष्ठ : 6 • मूल्य: 2 रुपये • संपादक : सुनील कुमार तिवारी • Email: swarnimpradesh@yahoo.com www.swarnimpradesh.in

पीएम मोदी ने किया कई रेल परियोजनाओं का उद्घाटन

संवाददाता

मेदिनीपुर। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता से वर्चुअल माध्यम के जरिए कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इन परियोजनाओं के शुरू होने से रेल अवसंरचना, यात्री सुविधाओं और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

रेलवे ने शनिवार को बताया अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित तमलुक रेलवे स्टेशन और हल्दिया रेलवे स्टेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया। इन स्टेशनों पर आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर यात्री सुविधाएं, सुगम आवागमन की व्यवस्था और उन्नत बाहरी संरचना विकसित की गई है, जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिल सकेगा। इसके अलावा रेल संपर्क और परिचालन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से बेलदा और दांतन के बीच तीसरी रेल लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस अतिरिक्त लाइन के शुरू होने से ट्रेनों के संचालन में सुगमता आएगी तथा यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक तेज और व्यवस्थित हो सकेगी। रेल सुरक्षा और समयबद्ध संचालन को ध्यान में रखते हुए कलाईकुंडा और कनीमहुली के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली भी शुरू की गई।

बंगाल को मिली 18,680 करोड़ की बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता दौरे के दौरान पश्चिम बंगाल को 18,680 करोड़ की सड़क, रेल और बंदरगाह से जुड़ी बड़ी कनेक्टिविटी परियोजनाओं की सौगात दी। इन परियोजनाओं को राज्य में आधारभूत ढांचे के विस्तार, औद्योगिक विकास और बेहतर परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इसे राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल से भारत के विकास की नई कहानी लिखी जा रही है और केंद्र सरकार राज्य में आधुनिक कनेक्टिविटी नेटवर्क तैयार करने पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री ने 231 किलोमीटर लंबे खड़गपुर-मोरेग्राम आर्थिक कॉरिडोर के पांच हिस्सों का शिलान्यास किया। यह चार लेन सड़क परियोजना पूरी होने के बाद खड़गपुर से उत्तर बंगाल की ओर जाने वाली यात्रा को काफी आसान बना देगी। अनुमान है कि इससे करीब 120 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी और यात्रा समय में सात से आठ घंटे तक की बचत होगी। यह कॉरिडोर पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, हुगली, पूर्व बर्दवान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जैसे महत्वपूर्ण जिलों से होकर गुजरेगा। साथ ही यह राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 16, 19, 14 और 12 को आपस में जोड़कर एक मजबूत परिवहन नेटवर्क तैयार करेगा। इससे माल परिवहन तेज होगा और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में 5.6 किलोमीटर लंबे दुबराजपुर बाइपास और कांगसबती तथा शिलाबती नदियों पर नए चार लेन पुलों की आधारशिला भी रखी गई। इन परियोजनाओं से स्थानीय यातायात पर दबाव कम होने और सड़क सुरक्षा बेहतर होने की उम्मीद है। रेलवे क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने पुरुलिया से आनंद विहार टर्मिनल के बीच नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, जिससे पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। इसके साथ ही अमृत स्टेशन योजना के तहत राज्य के छह रेलवे स्टेशनों कामाख्यागुड़ी, अनारा, तमलुक, हल्दिया, बाराभूम और सिउड़ी, का आधुनिकीकरण किया गया है। इन स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है ताकि यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सके।

इस आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली से ट्रेनों के बीच की दूरी कम होगी और रेल परिचालन की क्षमता में वृद्धि के साथ सुरक्षा मानकों में भी सुधार होगा। इस अवसर पर तमलुक, हल्दिया, बेलदा और कलाईकुंडा रेलवे स्टेशनों पर समारोह आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखी गई।

एफडीए के तीन अधिकारियों के निलंबन का मामला गरमाया

न्यायालय के आदेशों की अनदेखी? 8 महीने से निलंबित एफडीए के 3 अधिकारी

संगठन ने दी 23 मार्च से राज्यव्यापी कामबंद आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य व औषध प्रशासन (एफडीए) के तीन अधिकारियों के निलंबन का मुद्दा अब गंभीर विवाद का रूप लेता जा रहा है। निलंबन आदेश अदालत द्वारा रद्द किए जाने के बावजूद पिछले आठ महीनों से अधिकारियों को सेवा में बहाल नहीं किया गया है। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र राज्य अन्न अधिकारी कल्याणकारी संघटना ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि 23 मार्च 2026 से पहले निलंबन आदेश वापस नहीं लिया गया, तो पूरे राज्य में कामबंद आंदोलन शुरू किया जाएगा। बताया गया है कि पावसाळी अधिवेशन के दौरान पूछे गए तारांकित प्रश्न क्रमांक 10257 (7 जुलाई 2025) के संदर्भ में राज्य सरकार ने 15 जुलाई 2025 को आदेश जारी कर सह आयुक्त महेश चौधरी, सहायक आयुक्त संदीप देवरे और खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद पवार को पूर्व प्रभाव से निलंबित कर दिया था।

निलंबन आदेश के खिलाफ संबंधित अधिकारियों ने महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण (MAT), मुंबई में अपील दायर की। सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने 17 सितंबर 2025 को दिए अपने फैसले में सरकार के निलंबन आदेश को कानून के अनुरूप नहीं मानते हुए रद्द कर दिया और अधिकारियों को सेवा में पुनः बहाल करने के निर्देश दिए। इसके बाद राज्य सरकार ने इस फैसले को चुनौती देते हुए मुंबई उच्च न्यायालय में अपील दायर की। उच्च न्यायालय ने मामले का पुनर्विचार कर अंतिम निर्णय देने के निर्देश महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण को दिए। पुनर्विचार के बाद न्यायाधिकरण ने 17 फरवरी 2026 को अपने अंतिम आदेश में भी सरकार के निलंबन आदेश को अवैध बताते हुए दोबारा रद्द कर दिया। हालांकि अदालत की इस प्रक्रिया के बावजूद संबंधित अधिकारियों को अभी तक सेवा में पुनर्स्थापित नहीं किया गया है। इस मुद्दे को लेकर संगठन ने कई बार एफडीए मंत्री नरहरी झिरवाल को निवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे विभाग के अधिकारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। वहीं महाराष्ट्र राज्य राजपत्रित अधिकारी महासंघ ने भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एफडीए मंत्री नरहरी झिरवाल को पत्र लिखकर संबंधित अधिकारियों का निलंबन तुरंत वापस लेने की मांग की है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया गया तो 23 मार्च 2026 से राज्यभर में कामबंद आंदोलन शुरू किया जाएगा।

> माननीय न्यायालय ने 17 सितंबर 2025 और 17 फरवरी 2026 को दो बार निलंबन आदेश रद्द करने के बावजूद संबंधित अधिकारियों को अब तक सेवा में पुनः शामिल नहीं किया गया है, जो अत्यंत खेदजनक है। न्यायालय के आदेश का तुरंत पालन करते हुए महेश चौधरी, संदीप देवरे और आनंद पवार को उनके पदों पर पुनः बहाल किया जाना चाहिए। यह हमारी संगठन की स्पष्ट मांग है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो 23 मार्च 2026 से राज्य के खाद्य अधिकारी अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। हालांकि, हमारी अपेक्षा है कि प्रशासन सकारात्मक निर्णय लेते हुए इस मुद्दे का जल्द समाधान करेगा।
>
> **- गोपाल माहोरे**
> **सचिव- महाराष्ट्र राज्य अन्न अधिकारी कल्याणकारी संघटना**

लोकसभा अध्यक्ष की निष्पक्षता और धैर्य की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की सराहना

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद उनके धैर्य, संयम और निष्पक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि सदन के संचालन के दौरान बिरला ने संसदीय मर्यादा और नियमों का पालन करते हुए संतुलित भूमिका निभाई। इस पत्र पर ओम बिरला ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भी लिखकर कहा कि सदन ने अविश्वास प्रस्ताव को अस्वीकार करके लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और संसदीय परंपराओं के प्रति स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने बिरला के उस वक्तव्य की भी प्रशंसा की, जिसमें उन्होंने संसदीय इतिहास, अध्यक्ष की जिम्मेदारियों और नियमों की सर्वोच्चता पर जोर दिया था। प्रधानमंत्री ने इसे संतुलित और

धैर्यपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने पत्र में कहा कि लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन असहमति और असम्मान में अंतर होना चाहिए। संसद संवाद, तर्क और विचार-विमर्श का सर्वोच्च मंच है और यहां युवाओं, महिलाओं और सभी वर्गों की आवाज को स्थान मिलना चाहिए।

पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा, 6 राज्यों में 8 सीटों पर उपचुनाव भी, नतीजे 4 मई को

संवाददाता

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है। पुडुचेरी, केरल और असम में 09 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल और पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। सभी के नतीजे 0 4 मई को आयेंगे। असम, पुडुचेरी और केरल की सभी 126, 30 और 140 सीटों पर 16 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि

23 मार्च है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को की जाएगी। उम्मीदवार 26 मार्च तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। तमिलनाडु की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल में पहले चरण की 152 सीटो पर 30 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अप्रैल है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 07 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 09 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटो पर 02 अप्रैल अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 09 अप्रैल है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 10 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 13 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। इसके अलावा आयोग ने आज गोवा की पोंडा, गुजरात की उमरेठ, कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ, महाराष्ट्र की राहुरी और बारामती, नगालैंड की कोरिडांग (एसटी) तथा त्रिपुरा की धर्मनगर पर उपचुनाव की घोषणा की है।

युवाओं के पास विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण अवसर भी, जिम्मेदारी भी : जेपी नड्डा

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेकर 6,041 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और डिप्लोमा की डिग्रियां प्रदान किए जाने पर उन्हें बधाई दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के अमृत काल के दूसरे चरण में पेशेवर जीवन में प्रवेश करने वाले युवाओं के पास विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण अवसर और जिम्मेदारी दोनों हैं। उन्होंने छात्रों से समाज के प्रति समर्पण और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, चिकित्सा शिक्षा और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में व्यापक विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि

देश में एम्स की संख्या 6 से बढ़कर 23 हो गई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने क्षय रोग (टीबी) की घटनाओं में 21 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। साथ ही, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक वित्तीय सुरक्षा के साथ पहुंच मिली है। दीक्षांत समारोह में 2024–25 सत्र में 156 पदक विजेताओं में से 112 छात्राएं थीं, जो शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उत्कृष्टता को दर्शाता है। नड्डा ने तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने में संस्थान के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लगभग 150 शैक्षणिक कार्यक्रमों में से लगभग 60 प्रतिशत चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य विषयों को समर्पित हैं, जो देश के लिए सक्षम और कुशल स्वास्थ्य सेवा कार्यबल तैयार करने पर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नड्डा ने पिछले एक दशक में भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हुए परिवर्तनकारी बदलावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने और देश भर में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय से काम करें : शिवराज सिंह

- केंद्रीय कृषि मंत्री ने बैठक में की विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा

संवाददाता

सीहोर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय के साथ मिलकर काम करेंगे तो योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारी विभागीय गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराएं, ताकि आमजन का फीडबैक भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त हो सके और कार्यों का बेहतर ढंग से संपादन किया जा सके।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान मध्य प्रदेश के सीहोर में जिला पंचायत सभाकक्ष में हुई जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति "दिशा" की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति उसकी पात्रता के अनुसार शासन की योजनाओं का लाभ पाने से वंचित न रहे। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन और संचालन करें, ताकि आमजन तक उनका लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और शासकीय सेवकों दोनों का कर्तव्य जनता की सेवा करना है, इसलिए अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन करें। उन्होंने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की विभागवार एवं जनपदवार विस्तार से समीक्षा की तथा बैठक के दौरान विधायकों एवं समिति के सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के., जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव तथा संबंधित विभागों के जिलाधिकारियों ने विभागीय प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय एवं ग्रामीण की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य हर गरीब व्यक्ति को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

संपादकीय

बैक फूट पर आती सरकार !

सुप्रसिद्ध इंजीनियर, सोशल एक्टिविस्ट, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षक, सेना के लिए गर्म-गर्म तंबुओं के निर्माता, बर्फ पिघलने से बचाने का उपाय ढूंढने वाले, लद्दाख की स्वायत्तता के लिए सरकार को स्मरण दिलाने वाले सोनम वांगचुक, जिनकी मेधा पर श्री इडियट्स फिल्म काफी पॉप्यूलर हुई थी, ठंड स्थान लद्दाख से गिरफ्तार कर उन पर एनएसए लगाकर गर्म राजस्थान की जेल में लगभग सात महीने रखना उन पर अन्याय करने जैसा था। लद्दाख पुलिस अधिकारी ने तब पहले कहा था, गृहमंत्रालय से आदेश आया था गिरफ्तार करने के लिए। सोनम वांगचुक लद्दाख को विशेष दर्जा दिलाने के लिए अनशन कर रहे थे। वांगचुक ने कभी देशद्रोही बातें या काम किया ही नहीं, लेकिन चीन द्वारा लद्दाख की जमीन पर कब्जा जमाने की बात अवश्य कही, जो तानाशाह शासन को सहन नहीं हुआ, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी बार-बार एक ही रट लगाते रहे हैं, न कोई घुसा है न घुसेगा। खुद चीन ने अरुणाचल प्रदेश को नक्शे में अपना दिखाया था। लद्दाख के चरवाहों ने कहा था, वे पहले जहां तक भेड़-बकरियां चराते थे, अब उन्हें रोका जाता है चीनी सेना द्वारा। सोनम वांगचुक चीन सीमा तक जनता को साथ ले जाकर प्रोटेस्ट करने वाले थे, जिसे प्रशासन ने रोक दिया, क्यों? यह प्रशासन ही बता सकता है। सोनम वांगचुक उस समय तक अनशन पर ही बैठे रहे थे, जब लद्दाख के लोगों ने रैली निकाली। अब भीड़ हिंसक क्यों हुई? कानून व्यवस्था का प्रश्न था। इसे प्रशासनिक स्तर पर ही सुलझाया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं करके उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सोनम वांगचुक की पत्नी सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं, बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लेकर, क्योंकि कैद किए गए उनके पति को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी थी और उन्हें मिलने तक नहीं दिया गया। सुप्रीम कोर्ट भी जैसे दबाव में था। तारीख पर तारीख मिलती रही। वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल ने पैरवी की और सोनम वांगचुक को कथित वीडियो, जिसमें लद्दाख के लोगों को हिंसक आंदोलन के लिए भड़काने का आरोप लगाया गया था, वांगचुक को नहीं दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट भी जैसे सोनम वांगचुक को अपराधी, देशद्रोही मान लिया था। अन्याय, वह पहले भी आदेश दे सकता था रिहाई के लिए। समूचे देश में इसका विरोध किया जा रहा था। सोशल मीडिया पर इंसाफ करने की बातें हो रही थीं। गिरफ्तारी और देशद्रोह के आरोप पर बहस शुरू हो गई थी। यहां तक कि जेल के बाहर कई संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग करने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का ही नहीं, जनता द्वारा सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन के दबाव में सरकार को झुकने के लिए बाध्य होना पड़ा। अंततः सरकार ने देशद्रोह की धारा एनएसए खत्म कर उन्हें जेल से रिहा कर दिया। न्याय मांगने वालों की यह जीत मानी जा रही है। कहा जा रहा, सत्य की जीत हुई। ईरान पर अमेरिकी और इजराइली हमले में छोटा सा स्वाभिमानी राष्ट्र ईरान ने दोनों को भारी क्षति पहुंचाई। इजराइल को खंडहर बना दिया। अमेरिकी एयरबेस, जो खाड़ी देशों में बनाए गए थे विश्व पर कब्जा करने के लिए, ईरान ने उन्हें ध्वस्त कर दिया। अमेरिका, जो शक्ति के घमंड में चूर था, बड़े नुकसान ने उसका घमंड चकनाचूर कर दिया। सच तो यह है कि अमेरिका और इजरायल ने सोचा था, ईरान के धार्मिक लीडर खामनेई की हत्या करने के बाद ईरान हथियार डाल देगा। दो दिनों में सरेंडर कर देगा ईरान, लेकिन ईरान ने कम कीमत के ड्रोन और मिसाइलों के हमले से अमेरिका-इजरायल की कमर ही तोड़कर रख दी। भारत की बीजेपी सरकार ने पूर्व की गुट निरपेक्षता की विदेशनीति पलट दी और अमेरिका-इजरायल की ओर झुकाव वाली विदेशनीति अपना ली। यह मात्र संयोग है या प्रयोग कि प्रधानमंत्री मोदी इजरायल जाकर वापस आते हैं, जिसके दूसरे दिन अमेरिका और इजरायल ईरान पर हमला कर देते हैं। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में भारत ईरानी हमले की निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया था। अमेरिका की टैरिफ धमकी के बाद भारत के सबसे घनिष्ठ मित्र और आपातकाल का साथी रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, लेकिन ईरान द्वारा जलडमरूमध्य से किसी भी मालवाहक जहाज के गुजरने पर रोक लगा दी, जिससे भारत तेल-गैस लेकर आ रहे तमाम कंटेनर शिप फंस गए। युद्ध के कारण कच्चे तेल का मूल्य बढ़ना स्वाभाविक ही है, क्योंकि सस्ते यातायात का मार्ग ही अवरुद्ध हो चुका था। अमेरिका द्वारा भारत को तेल मंगाने की तीस दिनों की अनुमति ऐसे दी, जैसे भारत ट्रंप का गुलाम बना दिया गया हो। अब क्या कारण हैं जो भारत ट्रंप का जवाब ही नहीं दे पाता, जबकि ट्रंप बार-बार धमकी देता रहता है, बेइज्जती करता रहता है। अब अमेरिकी व्यापारी संघ जांच कर रहा, जिसमें भारत भी शामिल है। यह जांच तो एक बहाना है। दरअसल ट्रंप को टैरिफ बढ़ाना है। मालवाहक पोत के आवागमन बंद होने से भारत में पेट्रोल, रसोई गैस की आपूर्ति में कठिनाई आ गई है। इसीलिए रसोई गैस के मूल्य साठ रुपए बढ़ाए जा चुके हैं, जबकि लाखों टन पेट्रोल भारत पाइपलाइन द्वारा बांग्लादेश को भेज रहा है। भारत ने अभी तक ईरान के शिया धर्म गुरु अयातुल्लाह खोमैनी की हत्या पर एक भी शब्द नहीं बोला था। प्रधानमंत्री ने खुद फोन कर ईरानी राष्ट्रपति से बात करने पर मजबूर हो गए। विदेश मंत्री तो अब तक चार बार ईरानी विदेश मंत्री से फोन पर बात कर चुके हैं। भला ईरान क्या सोच रहा होगा, जो हमारा सामाजिक-आर्थिक पार्टनर रहा है। कोविड महामारी में लगभग आधे मूल्य पर तेल देता रहा है। हम उसके नेता की मृत्यु पर शोक संवेदना भी नहीं दे सके और जब तेल-गैस की समस्या हुई तो बात करने लगे। यहां गोदी मीडिया की बेजा हरकत भरी रिपोर्टिंग ने, जो ऑपरेशन सिंदूर के समय इस्लामाबाद और कराची पर कब्जा कर लिया था, आज हांकने में लगा है कि ईरान ने भारत के तेल ला रहे जहाज को आने दिया। कमाल का है हमारी मीडिया। ईरानी युद्ध पोत भारत आया था, भारत के साथ मित्रता पूर्ण युद्धाभ्यास किया, जिसमें राष्ट्रपति भी शामिल रहीं, लेकिन निहत्थे युद्धपोत को अमेरिकी पनडुब्बी से टॉरपीडो द्वारा डुबा दिया गया। श्रीलंका जैसे छोटे से देश ने अमेरिका-इजरायल की परवाह नहीं की और ईरानी नौसेना को बचाने के साथ पोत को अपने पोर्ट पर शरण और सुरक्षा भी दी। इन सबका असर ईरान पर क्या पड़ा होगा? अब जरूरत पड़ने पर भारत सरकार को ईरान याद आ रहा।

कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में 23 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जिसके साथ अब कुल 65 सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। असम विधानसभा में कुल 126 सीटें हैं। आल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने बताया कि केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों का चयन किया है। इस सूची में घोषित उम्मीदवार और उनकी सीटें निम्नलिखित हैं: गोलकगंज-कार्तिक चंद्रा राय, बिरसिंग जरुआ-वाजेद अली चौधरी, बिलासिपारा-अमृत बादशाह, मांकाचार-मोहिबुर रहमान, गोलपारा ईस्ट-अबुल कलाम रशीद आलम, दूधनई (एसटी)-किशोर कुमार ब्रह्मा, श्रीजंगराम-नुरुल इस्लाम, मांडिया-अब्दुल खालेक, चमरिया-रकीबुद्दीन अहमद, रंगिया-प्रणजीत चौधरी, दिमोरिया (एससी)-किशोर कुमार बरुआ, न्यू गुवाहाटी-संतनु बोराह, मंगलदई-श्रीमती रिजुमोनी तालुकदार, होजाई-श्रीमती झिल्ली चौधरी, धेकियाजुली-बताश उरांग, रंगापारा-कार्तिक चंद्रा कुर्मी, गोहपुर-डॉ. शंकर ज्योति कुटुम, धेमाजी (एसटी)-शैलेन सोनोवाल, तिनसुकिया-देविद फुकन, टिंगखोंग-बिपुल गोगोई, डरगांव-श्रीमती सगोरिका बोरा, धोलाई (एससी)-ध्रुबज्योति पुरकायस्थ, करीमगंज साउथ-अमीनुर रशीद चौधरी। पार्टी ने कुछ सीटों को गठबंधन सहयोगी दलों के लिए छोड़ दिया है। इनमें शामिल हैं:, भवानीपुर-सोरभोग, बजाली, पलासबारी, गुवाहाटी सेंट्रल, गोरेसवार, मोरिगांव, बरहामपुर, बिनाकांडी, बेहाली (एससी), सदिया, डिब्रूगढ़, खोवांग, सारुपथार, दीफू (एसटी), अमरी (एसटी)। पार्टी ने पहले 03 मार्च 2026 को 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई को जोरहाट से, देवब्रत सैकिया को नजीरा से और रिपुन बोरा को बरचल्ला से टिकट दिया गया था। कांग्रेस अब गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

नशा-कर्ज-धर्म परिवर्तन पर बीजेपी ही समाधान : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

संवाददाता

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में भाजपा का चुनावी शंखनाद करते हुए साफ कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अकेले मैदान में उतरेगी और सरकार बनाएगी। शनिवार को मोगा के गांव किल्ली चाहलां में भाजपा की पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अब तक भाजपा पंजाब में छोटे भाई की भूमिका में रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि पार्टी खुद सरकार बनाए। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता आज भाजपा के साथ है।

पंजाब के ज्वलंत नशों के मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस व अकाली दल ने पंजाब में नशों को बढ़ावा दिया है। चार महीने में पंजाब को नशा मुक्त करने का दावा करने वाला आम आदमी पार्टी भी इस दिशा में कुछ नहीं कर पाई। पंजाब को केवल भाजपा ही नशा मुक्त राज्य बना सकती है। भाजपा ने वादे के अनुसार, कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया। नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। पंजाब की सबसे बड़ी समस्या कर्ज, ड्रग्स, धर्म परिवर्तन, भ्रष्टाचार, गैंगस्टरवाद है। आज पंजाब से उद्योग पलायन कर रहे हैं। किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। युवाओं के पास अपने भविष्य को लेकर कोई विजन नहीं है। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पंजाब में 19 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा को असम, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तराखंड में जब 19 प्रतिशत वोट मिले तो अगली सरकार भाजपा ने बनाई। इस बार पंजाब में सरकार बनाने का समय आ गया है। पंजाब सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आड़े हाथों लेते हुए अमित शाह ने कहा कि पंजाब में आज सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। सरकार होती तो कानून व्यवस्था ऐसी न होती, सरकार होती तो नशे का कारोबार न होता। सरकार होती तो किसानों की हालत ऐसी नहीं होती। सिख दंगों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने दंगा पीडित परिवारों को न केवल मुआवजा दिया बल्कि नौकरियां भी दी, वहीं राहुल के पिता ने दंगों को लेकर सिखों का अपमान किया। कांग्रेस ने अकाल तख्त साहिब पर टैंक चलवाए। भाजपा ने अफगानिस्तान से आए सिखों को नागरिकता प्रदान की तो करतारपुर साहिब कॉरिडोर बनाया। कांग्रेस की अगर सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा होती तो आज करतारपुर साहिब पाकिस्तान की बजाए भारत का हिस्सा होता। गृहमंत्री ने कहा कि पंजाब में आज धर्म परिवर्तन गंभीर रूप धारण कर चुका है। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने वोट की राजनीति के चलते धर्म परिवर्तन को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस व आप यह भूल गए हैं कि नौवें गुरू तेग बहादुर ने धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए अपनी शीश कटवाया था। भाजपा सत्ता में आते ही सबसे पहले धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाएगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द होने का महबूबा मुफ्ती ने किया स्वागत

संवाददाता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने केंद्र सरकार द्वारा लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत रद्द किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि किसी पर्यावरणविद् पर इस तरह का कड़ा कानून लगाना शुरुआत से ही उचित नहीं था। श्रीनगर में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सोनम वांगचुक पर्यावरण संरक्षण के लिए लंबे समय से काम कर रहे हैं और उनके खिलाफ एनएसए जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक कदम है कि सरकार ने उनकी हिरासत समाप्त कर दी और उन्हें उनका अधिकार मिला। इस दौरान मुफ्ती ने अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के फैसले का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय का यह निर्णय न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करता है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अभी भी कई लोग गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत जेलों में बंद हैं। उनके अनुसार, इनमें से कई लोगों के पास कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और कुछ लोग बिना मुकदमे के वर्षों से जेल में बंद हैं। उन्होंने सरकार से ऐसे मामलों की समीक्षा करने और न्याय सुनिश्चित करने की अपील की। दरअसल, केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि लेह में हिंसक प्रदर्शनों के बाद हुई गिरफ्तारी के लगभग छह महीने बाद सोनम वांगचुक की एनएसए के तहत हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इन प्रदर्शनों के दौरान चार लोगों की मौत हुई थी। सरकार का कहना है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति बनाए रखने और हालात सामान्य करने के उद्देश्य से लिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया जब वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च तक स्थगित कर दी थी।

सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबल को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के सुल्तानपुरी थाने के दो हेड कांस्टेबलों राजेश और अजय को रंगे हाथ रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों ने शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये की अवैध रिश्वत ली थी ताकि उसे अपनी ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियां जारी रखने की अनुमति मिल सके। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने 13 मार्च को इस मामले को दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपित पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता से ऑनलाइन बेटिंग बंद न करने के बदले 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। एजेंसी ने उसी दिन जाल बिछाया और दोनों को रंगे हाथ 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

मेषः आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभः परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुनः भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

कर्कः जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है।

सिंहः आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी।

कन्याः नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है।

तुलाः प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिकः यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनुः नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकरः निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभः सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीनः थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है।

नगर अभियंता के आदेशों को सालों से ठेंगा दिखा रहे हैं बीएमसी एच/पूर्व के कई अभियंता

सहायक आयुक्त भी नगर अभियंता के आदेशों की उड़ा रही हैं धज्जियां

● क्या नवनियुक्त महापौर रितु तावड़े लेंगी संज्ञान?

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में प्रशासक के कार्यकाल के दौरान अधिकारियों द्वारा बीएमसी विभागों में भ्रष्टाचार और मनमानी कार्यभार का मुद्दा कई विधायकों ने उठाया, जिस पर सरकार की तरफ से कोई ठोस आश्वासन मिलता नहीं दिखा। लेकिन यह सच है कि प्रशासक के कार्यकाल में भ्रष्ट अभियंताओं ने बीएमसी को लूटा ही नहीं, बल्कि उच्च अधिकारियों के आदेशों को कूड़ेदान में डालने का भी काम किया है।

इसका जीता-जागता उदाहरण बीएमसी के एच/पूर्व विभाग में देखने को मिलता है, जहां कमीशनखोर अभियंताओं की बदली नगर अभियंता द्वारा किए जाने के बाद भी विभाग की

सहायक आयुक्त से सेटिंग करके नगर अभियंता के आदेशों की धज्जियां उड़ाई गईं और नगर अभियंता व अतिरिक्त आयुक्त भी कुछ नहीं कर सके। बताया जाता है कि बीएमसी एच/पूर्व के परिरक्षण विभाग में सहायक अभियंता दीपक जाधव की बदली का आदेश एक बार नहीं बल्कि दो बार आया, लेकिन जैसे ही बदली का आदेश आता है, वे छुट्टी पर चले जाते हैं और बाद में फिर उसी जगह बने रहते हैं। सहायक अभियंता अजय पाटिल भी चार साल से एक ही जगह कुंडली मारकर बैठे हैं।

एक दुय्यम अभियंता विलास राठौड़, जिनकी नियुक्ति ब्रिज विभाग की हैं, लेकिन पिछले चार साल से एच/पूर्व परिरक्षण विभाग में सेटिंग करके बैठे हैं और जमकर कमीशनखोरी कर रहे है। वहीं इमारत व कारखाना विभाग की बात करें तो कनिष्ठ अभियंता सोनल आव्हाड भी पिछले चार सालों से वहीं कार्यरत हैं। उनकी भी बदली दो बार हुई, लेकिन वे जाने का नाम नहीं ले रही हैं। कनिष्ठ अभियंता रोहित गाजुल की बदली का आदेश आने के बाद भी वे जाने को तैयार नहीं हैं। सहायक अभियंता वैभव लव्हाले भी चार साल से एक ही जगह बैठे हैं। बताया जाता है कि कई अभियंता ऐसे हैं जो चार सालों से एक ही जगह पर कुंडली मारकर बैठे हुए हैं। नगर अभियंता के आदेशों का सहायक आयुक्त और अभियंता मिलकर मजाक उड़ा रहे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि ये अभियंता वार्ड में बैठकर भूमाफियाओं, ठेकेदारों और गैरकानूनी काम करने वालों के आका बने हुए हैं, जिसमें सहायक आयुक्त आंख बंद कर मलाई खा रही हैं। वहीं सवाल यह उठता है कि ऐसे सहायक आयुक्तों और अभियंताओं पर बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी और अतिरिक्त आयुक्त कोई कार्रवाई क्यों नहीं करते, जो प्रशासनिक आदेशों का मखौल उड़ा रहे हैं। कहीं न कहीं बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है।

अब देखना यह है कि क्या इस मामले की गंभीरता को समझते हुए नवनियुक्त महापौर रितु तावड़े संज्ञान लेंगी या फिर बीएमसी के सहायक आयुक्तों और अभियंताओं की मनमानी यूं ही चलती रहेगी।

काला जादू के शक में पत्नी की हत्या, धारावी से आरोपी पति गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। धारावी इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां कथित तौर पर काला जादू करने के शक में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अमृत सोलंकी (करीब 52 वर्ष) को अपनी पत्नी सूरजबेन सोलंकी पर अक्सर शक रहता था कि वह उस पर काला जादू कर रही है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़े होते थे।

बेटे को वीडियो कॉल पर दिखाई मां की लाश

घटना शुक्रवार दोपहर उस समय सामने आई जब दंपति का बेटा शिवराम सोलंकी (33), जो मुलुंड में रहता है, अपने माता-पिता के घर धारावी पहुंचा। घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला तो उसने अपने पिता को फोन किया। शिकायत के मुताबिक, अमृत सोलंकी ने फोन उठाया और बेटे से व्हाट्सऐप वीडियो कॉल करने को कहा। कॉल के दौरान उसने कथित तौर पर बताया कि उसने अपनी पत्नी का गला घोंट दिया और बोतल से हमला किया है। इसके बाद उसने कैमरा फर्श पर पड़ी सूरजबेन की ओर घुमा दिया, जहां उनके चेहरे पर खून दिखाई दे रहा था।

पुलिस ने दरवाजा तोड़कर निकाला शव

घटना की जानकारी मिलने के बाद शिवराम सोलंकी तुरंत पुलिस के पास पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। सूरजबेन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी अमृत सोलंकी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

माल लदान में पश्चिम रेलवे का नया कीर्तिमान, 100 मिलियन टन पार

संवाददाता

मुंबई। माल लोडिंग में पश्चिम रेलवे लगातार उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान अब तक माल लदान में 100 मिलियन टन से अधिक का आंकड़ा पार कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ ही पश्चिम रेलवे ने लगातार चौथे वर्ष 100 मिलियन टन माल लदान का आँकड़ा पार किया है।

माल परिवहन के क्षेत्र में अव्वलता के साथ निरंतर प्रदर्शन तथा देश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को सशक्त बनाने में पश्चिम रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ विनीत अभिषेक के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में कई वस्तुओं के लदान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज

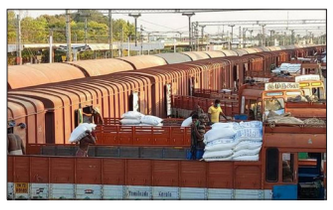

की गई है। कंटेनर लदान 33.66 मिलियन टन रहा, जिसमें 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। उर्वरक लदान 18.92 मिलियन टन रहा, जिसमें लगभग 22 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। खाद्यान्न लदान 1 मिलियन टन रहा, जिसमें 28 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि लौह एवं इस्पात की लोडिंग 0.69 मिलियन टन रही, जिसमें लगभग 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सीमेंट लदान 14.53 मिलियन टन रहा, जिसमें 3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।

अन्य वस्तुओं का लदान भी मजबूत रहा और यह 15.94 मिलियन टन दर्ज किया गया, जिसमें लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल 2025 से 12 मार्च 2026 की अवधि के दौरान वस्तुवार माल लदान में कोयला, उर्वरक, कंटेनर, पीओएल, सीमेंट, खाद्यान्न, लौह एवं इस्पात तथा अन्य वस्तुएँ शामिल हैं, जिससे कुल माल लदान 100.02 मिलियन टन तक पहुँच गया। वर्ष के दौरान पश्चिम रेलवे ने सनोसरा, भीमासर, वरतेज, वडोदरा मार्शलिंग यार्ड, कड़ी, गांधीधाम आदि विभिन्न स्थानों से औद्योगिक नमक, प्याज, ऑटोमोबाइल आदि जैसी वस्तुओं में माल परिवहन के नए स्रोत भी विकसित किए गए। इससे पश्चिम रेलवे के माल परिवहन पोर्टफोलियो को और अधिक मजबूती मिली है।

कोल्ड चेन सेक्टर में योगदान के लिए निलेश गांधी को मिला सम्मान

संवाददाता

मुंबई। कोल्ड चेन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए महाराष्ट्र खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) के पूर्व सहायक आयुक्त निलेश गांधी को कोल्ड चेन लीडर्स कॉन्फ्रेंस एंड एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 में 10 फरवरी 2026 को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसे उन्होंने अपने लिए गर्व का क्षण बताया। कार्यक्रम में धर्मेश खरवार, संयुक्त सचिव, एफपीएमई भी मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संतोष इंद्रक्षा, उप औषधि नियंत्रक, सीडीएससीओ, भारत सरकार ने बढ़ाई। इस सम्मेलन के दौरान "दिशानिर्देशों से ज़मीनी हकीकत तक, भारत में जीडीपी और

कोल्ड चेन जवाबदेही का प्रशिक्षण-आधारित कार्यान्वयन" विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसका संचालन निलेश गांधी ने किया। इस चर्चा में तापमान-नियंत्रित लॉजिस्टिक्स के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और समाधान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पैनल में यह भी रेखांकित किया गया कि केवल विस्तृत दिशानिर्देश तैयार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि वेयरहाउस से लेकर अंतिम-मील की फार्मेसी तक हर स्तर पर लगातार, पारदर्शी और नैतिक क्रियान्वयन सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। निलेश गांधी ने कहा कि उद्योग जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के साथ संवाद और अनुभव साझा करना उनके लिए एक महत्वपूर्ण सीखने का अवसर रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच न केवल विशेषज्ञों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं, बल्कि भारत की कोल्ड चेन प्रणाली को मजबूत बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने आयोजकों एनएबी-सीसीएम और कोल्ड चेन कम्युनिटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोगी सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए दिशानिर्देशों को प्रभावी ढंग से ज़मीनी स्तर पर लागू करना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

समाज सेवा और न्याय की मशालः डॉ. बिनु निनन वर्गीश 'महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार 2026' से सम्मानित!

इंद्र यादव

मुंबई। समाज में व्याप्त अपराध और अन्याय के खिलाफ लगातार आवाज़ उठाने वाले डॉ. बिनु निनन वर्गीश को उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार 2026 (सीजन-3) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान यशवंतराव चव्हाण केंद्र, नरीमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में प्रदान किया गया। डॉ. बिनु निनन वर्गीश अपने डिजिटल नेटवर्क ' सब से तेज' के माध्यम से न केवल समाचार प्रस्तुत करते हैं, बल्कि समाज में हो रहे अपराध और अन्याय के खिलाफ सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कई मामलों को उजागर कर पीड़ितों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई है।

उनके प्रमुख कार्यों में स्थानीय स्तर पर होने वाले अपराधों को उजागर कर प्रशासन तक पहुंचाना, सरकारी और निजी क्षेत्रों में अनियमितताओं के खिलाफ जागरूकता फैलाना, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में पीड़ितों को कानूनी सहायता दिलाना तथा साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करना शामिल है। डॉ. वर्गीश का मानना है कि समाज सेवा केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण तैयार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज तब तक विकसित नहीं हो सकता जब तक वह सुरक्षित न हो, और अपराधों के खिलाफ चुप्पी तोड़ना ही सच्ची समाज सेवा और देशभक्ति है।

यह विजनरी वॉयस, रेड आंट, और एक्सेल मीडिया के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें उनके साहसी प्रयासों की सराहना की गई। यह सम्मान समाज को अपराधमुक्त और सुरक्षित बनाने की दिशा में उनके निरंतर संघर्ष और समर्पण का प्रतीक माना जा रहा है।

इंस्टाग्राम फ्रेंडशिप के नाम पर 6.25 लाख की ठगी

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के भांडुप इलाके में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अज्ञात ठगों ने एक विधायक के निजी सहायक की पत्नी से करीब 6.25 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला नियमित रूप से इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के वीडियो पोस्ट करती थीं। करीब तीन साल पहले उन्हें एक फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। आरोपी ने खुद को 'शेफ बेनेडिक्ट' बताते हुए यूके में रहने वाला रसोइया होने का दावा किया। उसने महिला के परिवार की तारीफ की और बातचीत के दौरान उनकी बेटी का जन्मदिन भी पूछ लिया।

आरोपी ने ईसाई परंपरा का हवाला देते हुए जन्मदिन पर उपहार भेजने की बात कही। शुरुआत में महिला ने मना किया, लेकिन लगातार आग्रह के बाद उन्होंने अपना व्हाट्सएप नंबर और घर का पता साझा कर दिया। इसके बाद आरोपी ने दावा किया कि उसने हार, महंगी घड़ी, पर्स, इत्र और 40,000 पाउंड भेजे हैं। साथ ही उसने एक फर्जी कूरियर रसीद भी भेज दी। 9 मार्च को महिला को एक कॉल आया, जिसमें बताया गया कि उनका पार्सल आ गया है और 70,000 रुपये शुल्क जमा करने होंगे। आरोपी ने भी इसे सही बताया। इसके बाद यूके सीमा शुल्क विभाग के नाम से लगातार मैसेज आने लगे, जिनमें महंगे सामान और विदेशी मुद्रा के कारण अतिरिक्त शुल्क जमा करने को कहा गया।

ठगों ने अलग-अलग बहाने बनाकर महिला से विभिन्न बैंक खातों में कुल 6.25 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। हालांकि, इतना पैसा देने के बाद भी महिला को कोई पार्सल नहीं मिला। जब महिला को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 1 करोड़ की ठगी, पुलिस ने दो को दबोचा

संवाददाता

मुंबई। फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने नवी मुंबई में एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो लोगों से शेयर बाजार में निवेश करने का लालच देकर एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर रहा था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की वित्तीय खुफिया और साइबर इकाइयों ने 12 मार्च को राबाले एमआईडीसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत महापे के एक औद्योगिक इलाके में छापेमारी की। इस दौरान 22 युवक-युवतियां काम करते हुए पाए गए, जो संभावित पीड़ितों से व्हाट्सएप चैट और फोन कॉल के माध्यम से बातचीत कर रहे थे। छापेमारी के दौरान मिले कंप्यूटर से प्राप्त चैट विवरण से पता चला है कि पीड़ितों को कंपनी के माध्यम से शेयर बाजार में अधिक मुनाफे का वादा किया गया था। इसके बाद, ऑपरेटरों ने उन्हें अपने बैंक खातों में पैसे हस्तांतरित करने के लिए कहा था। पुलिस ने यह भी

पाया कि कॉल सेंटर ने कम से कम 1.02 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान शिवम दुबे और सुजीत वारिमिकी के रूप में हुई है, जो ठाणे जिले के निवासी हैं। अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इस मामले में पुलिस ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी जांच की और पाया कि देश भर से साइबर धोखाधड़ी की कम से कम पांच शिकायतें इन खातों से जुड़ी हुई थीं।

मुंबई रैली में अखिलेश ने यूपी के विकास कार्यों का किया जिक्र

संवाददाता

मुंबई। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार (15 मार्च 2026) को मुंबई के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों और नवाचारों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया। उन्होंने मेट्रो से लेकर एक्सप्रेस-वे और सांस्कृतिक महोत्सवों तक, अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए वर्तमान भाजपा सरकार पर जमकर तंज कसा। अखिलेश ने दावा किया कि जो काम वर्तमान सरकार अब कर रही है, वे उन कार्यों को 11 साल पहले ही

अंजाम दे चुके थे।

अखिलेश यादव ने विशेष रूप से कुंभ मेले के दौरान सुरक्षा के लिए किए गए अनूठे प्रयोग का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए उनकी सरकार ने गैस सिलेंडरों को रेत के नीचे रखने का प्रावधान किया था, जिससे खाना तो बनता था लेकिन सिलेंडर फटने या आग लगने की दुर्घटनाओं की संभावना शून्य हो गई थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा तकनीक और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। अखिलेश यादव ने बुनियादी ढांचे के विकास पर बोलते हुए कहा कि यूपी में मेट्रो बनाना उनके घोषणापत्र का हिस्सा नहीं था, लेकिन जनता की जरूरत को देखते हुए उन्होंने 'मेट्रो मैन' ई. श्रीधरन को सलाहकार बनाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने देश की सबसे कम समय में बनने वाली 9 किलोमीटर की मेट्रो और देश का सबसे बड़ा सिंगल एलिवेटेड रोड बनाया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "चलते एक्सप्रेस-वे पर हवाई जहाज उतारने का काम हम 11 साल पहले ही कर चुके थे, जिसे यह सरकार अब अपनी उपलब्धि बता रही है।"

सपा प्रमुख ने पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए बदलावों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने नियम बनाया था कि किसी ग्रीन बेल्ट का पहला पेड़ मंत्री नहीं बल्कि आखिरी पेड़ लगाएगा, जिससे विभागों ने जिम्मेदारी से काम किया और यूपी में वन क्षेत्र बढ़ा। तकनीक पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्होंने लैपटॉप बांटने का फैसला लिया, तो उनकी आलोचना हुई, लेकिन आज तक उस प्रक्रिया पर कोई सवाल नहीं उठा सका। उन्होंने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि लैपटॉप ऑन होते ही उनकी और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की तस्वीर दिखती थी, जो आज भी जारी है।

KANSHI RAM MUST BE AWARDED BHARAT RATNA BY CENTRE TO AVOID REPEATING CONG'S ERROR: MAYAWATI

LUCKNOW: BSP supremo Mayawati asked the Centre on Sunday to confer the Bharat Ratna on party founder Kanshi Ram rather than repeating the Congress's error with B R Ambedkar.

On Kanshi Ram's birth anniversary, Mayawati lambasted the Samajwadi Party, Congress, and BJP, claiming they only talk about the Bahujan but rarely act for their elevation.

The Muslim community has greatly distanced itself from these parties, and with the Brahmin community aligning with the BSP, it appears that the SP's political and caste enmity has grown, Mayawati stated. She praised Kanshi Ram for his efforts toward an equal society and encouraged the BJP-led government to confer the highest civilian honor on him.

The present BJP-NDA administration at the Centre should not delay awarding 'Bahujan' leader Kanshi Ram ji with the Bharat Ratna, as the Congress party did not do so for the

architect of India's Constitution, Babasaheb Dr Bhimrao Ambedkar. His contribution to the creation of an equitable society in the country, as written in the Constitution, is historic, and as a result, he is also remembered in the hearts of the people, according to the former Uttar Pradesh chief minister. He not only established a political movement, but also built a government in a huge and significant state such as Uttar Pradesh and appointed me as its chief minister, she remarked of the Dalit legend.

Mayawati's comments came a day after Congress leader Rahul Gandhi stated that if Jawaharlal Nehru had been alive, Kanshi Ram would have been appointed chief minister by the Congress. Nehru, India's first prime minister, died in 1964, while Kanshi Ram rose to prominence in politics with the establishment of the backwards-championing BAMCEF in 1978, which was later strengthened by the foundation of the Bahujan Samaj Party in 1984. In his homage to the Dalit icon, Gandhi stated that Mahatma Gandhi, Babasaheb Bhimrao Ambedkar, and Kanshi Ram never compromised on their convictions.

Gandhi was addressing at the Samvidhan Sammelan, which took place in Lucknow ahead of Kanshi Ram's birth anniversary. He stated that if Jawaharlal Nehru were still alive, Kanshi Ram would have served as the Congress' chief minister.

47 villages bordering Nepal to be developed under Vibrant Village Project II in Lakhimpur Kheri

LAKHIMPUR: As many as 47 villages in Lakhimpur Kheri district that share borders with Nepal would be built as the first border villages under the Centre-sponsored Vibrant Village Programme II (VVP II), complete with all-weather roads and telecommunications connection.

According to Kheri District Magistrate Durga Shakti Nagpal, border security and border development must go hand in hand. We are enhancing the infrastructure and livelihood possibilities in these 47 villages through the VVP II in order to raise their living conditions and make our border communities stronger, more prosperous, and securely anchored.

The programme aims to develop infrastructure, conduct border-specific outreach activities, and create better livelihood opportunities through the promotion of tourism, cultural heritage, and skill development, as well as strengthen local self-help groups, cooperative societies, youth, and women, she said. According to District Statistics Officers (DSTO) Arvind Verma, the 47 border villages comprised 18 villages from the Pallia tehsil and 29 from the Nighasan tehsil.

The planning department in Uttar Pradesh will manage the execution of the VVP II, which encompasses all border villages with Nepal, including Balrampur, Shrawasti, Maharajganj, Pilibhit, Bahraich, and Kheri. Verma stated that a district-level committee led by the Kheri district magistrate had been constituted to guarantee that the plan was properly implemented.

Meanwhile, the UP planning department had a video conference meeting with the district authorities involved a few days ago to discuss the projects for the state's VVP II execution, according to officials.

MOTHER HACKED TO DEATH WHILE RESISITING ATTEMPT TO ABDUCT DAUGHTER

Chennai: A 45-year-old woman was brutally hacked to death while attempting to protect her daughter from an alleged abduction attempt by a gang in Pudukkottai district in the early hours of Sunday. The shocking incident occurred at Neduvayal village near Alangudi and has triggered panic among residents of the locality. The victim, identified as Kaliammal, was the wife of Suresh, a farmer and daily wage labourer. The couple have three children — daughters Swetha (20) and Subadarshini (18), and a son Balamurugan (12). According to police sources, Suresh had earlier moved to Chengalpattu for work, where he developed a relationship with a woman named Vijayalakshmi and later married her as his second wife. Both families were reportedly residing in separate houses in the same village, which had been a source of tension within the family for some time.

Investigators said the dispute escalated about two years ago when Vijayalakshmi's brother Viven (34), a resident of Chengalpattu, expressed his wish to marry Subadarshini. However, Kaliammal and her daughter strongly opposed the proposal. Despite their refusal, Viven allegedly continued to press for the marriage, leading to repeated arguments between the families.

Police said the ongoing conflict eventually caused Vijayalakshmi to separate from Suresh and live apart. According to preliminary investigations, the violence unfolded around 3 a.m. on Sunday when Viven allegedly arrived at Kaliammal's house along with two unidentified accomplices. The trio is suspected to have attempted to abduct Subadarshini while she was asleep. Police said the men allegedly gagged the girl with a cloth in an effort to prevent her from raising an alarm. However, the girl reportedly woke up during the attempt and cried for help. Hearing her daughter's distress, Kaliammal rushed to the room and tried to stop the attackers.

Enraged by her resistance, the suspects allegedly attacked Kaliammal with a sickle, inflicting multiple grievous injuries to her head and body. She died on the spot due to the severity of the injuries, police said. Following the attack, the assailants fled the scene. After neighbours alerted authorities, personnel from Vadakadu police station rushed to the village, secured the area, and recovered the body. It was later sent to Pudukkottai Government Medical College Hospital for post-mortem examination.

Police have launched a manhunt to trace Viven and the two unidentified accomplices. Senior officers said special teams have been formed to track down the suspects. The gruesome killing has left villagers shocked and fearful, with residents demanding swift action against those responsible.

देशभरात एलपीजी संकट तीव्र, सिलेंडरसाठी रांगा, काळाबाजार वाढला

नवी दिल्ली: अमेरिका-इस्त्रायल आणि इराण यांच्यात सुरू असलेल्या युद्धाच्या पार्श्वभूमीवर देशभरात एलपीजी गॅसचा तुटवडा वाढत चालला असून अनेक राज्यांमध्ये गॅस सिलेंडरसाठी नागरिकांची मोठी धावपळ सुरू झाली आहे. उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पंजाब, छत्तीसगड आणि हरियाणा यांसारख्या राज्यांमध्ये गॅस एजन्सींसमोर लांबलचक रांगा लागल्या असून अनेक ठिकाणी सिलेंडरच्या कमतरतेमुळे लोकांना तासन्तास वाट पाहावी लागत आहे. परिस्थिती इतकी गंभीर झाली आहे की अनेक भागात सिलेंडरचा काळाबाजार सुरू झाला असून व्यावसायिक सिलेंडरचे दर दुप्पट झाले आहेत.

उत्तर प्रदेशातील सिद्धार्थनगरमध्ये नागरिक काल रात्रीपासून गॅस एजन्सींसमोर सिलेंडर मिळण्याच्या प्रतीक्षेत उभे आहेत. अनेकांना अजूनही सिलेंडर मिळालेला नाही. कन्नौजमध्येही सिलेंडरसाठी एजन्सीसमोर मोठी गर्दी झाली आणि काही ठिकाणी गोंधळाचे वातावरण निर्माण झाले. मध्य प्रदेशातही परिस्थिती तितकीच गंभीर असून भोपाळ आणि इंदूरसारख्या शहरांमध्ये वृद्धांपासून लहान मुलांपर्यंत सर्वजण सिलेंडरसाठी रांगेत उभे असल्याचे चित्र दिसत आहे. काही ठिकाणी पोलिसांच्या बंदोबस्तातसिलेंडरचे वितरण केले जात आहे.

या संकटाचा मोठा फटका हॉटेल आणि रेस्टॉरंट व्यवसायालाही बसत आहे. मध्य प्रदेशातील सुमारे ५० हजारांहून अधिक हॉटेल्स आणि रेस्टॉरंट्सना गेल्या पाच दिवसांपासून व्यावसायिक सिलेंडर मिळालेले नाहीत. अनेक ठिकाणी फक्त २४ ते ४८ तासांचा गॅस साठा उरला असून

काही हॉटेल्स बंद होण्याच्या मार्गावर आहेत. त्यामुळे काही व्यावसायिकांनी पर्याय म्हणून इंडक्शन स्टोव्ह आणि डिझेल फर्नेसचा वापर सुरू केला आहे. बिहारमध्ये गॅस एजन्सींच्या बाहेर लोकांच्या लांब रांगा लागल्या आहेत. सिलेंडर मिळवण्यासाठी नागरिकांना तासन्तास उन्हात उभे राहावे लागत आहे. गॅसच्या कमतरतेचा परिणाम बाजारातही जाणवू लागला असून लाकूड आणि कोळशाची मागणी अचानक वाढली आहे. त्यामुळे त्यांच्या किमतींमध्येही मोठी वाढ झाली आहे. इंडक्शन स्टोव्हच्या किमतीही जवळपास पाचपट वाढल्याचे व्यापाऱ्यांचे म्हणणे आहे. राजस्थानमध्ये परिस्थिती आणखी कठीण बनली आहे. अनेक ग्राहकांनी ऑनलाइन बुकिंग करूनही त्यांना वेळेवर सिलेंडर मिळत नसल्याची तक्रार केली आहे. गॅसच्या कमतरतेमुळे अनेक हॉटेल्समध्ये लाकडावर स्वयंपाक करण्याची वेळ आली आहे. पंजाब आणि चंदीगडमध्येही गॅसचा तुटवडा कायम आहे. बर्नाला येथे सिलेंडरसाठी रांगेत उभ्या असलेल्या एका वृद्ध व्यक्तीचा हृदयविकाराच्या झटक्याने मृत्यू झाल्याची घटना समोर आली आहे. छत्तीसगडमध्ये रायपूरसह अनेक जिल्ह्यांमध्ये गॅस एजन्सी आणि गोदामांसमोर सकाळपासूनच नागरिकांची गर्दी होत आहे. कडक उन्हात तासन्तास उभे राहून लोक आपली पाळी येण्याची वाट पाहत आहेत. अनेक ठिकाणी सिलेंडर साठवून ठेवून जादा दराने विक्री केल्याच्या तक्रारीही समोर येत आहेत. या संकटाचा फायदा घेत साठेबाजांनी मोठ्या प्रमाणात काळाबाजार सुरू केल्याचे दिसत आहे. काही भागात घरगुती सिलेंडरचे दर ४००० रुपयांपर्यंत पोहोचले आहेत.

हरियाणामध्येही घरगुती सिलेंडरच्या डिलिव्हरीसाठी तब्बल २५ दिवसांचा प्रतीक्षा कालावधी लागतो आहे. अनेक ठिकाणी ऑनलाइन बुकिंग सेवा बंद असल्याने किंवा फोन कॉल्सना उत्तर मिळत नसल्याने नागरिक थेट गॅस एजन्सींकडे जाऊन सिलेंडर मिळवण्याचा प्रयत्न करत आहेत. व्यावसायिक गॅस पुरवठा खंडित झाल्यामुळे हॉटेल आणि रेस्टॉरंट मालकांनी अन्नधान्याच्या किमती वाढण्याची शक्यता व्यक्त केली आहे.

दरम्यान, केंद्र सरकारने परिस्थिती नियंत्रणात आणण्यासाठी काही राज्यांतील गोदामांवर छापे टाकण्यास सुरुवात केली आहे. मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक आणि तामिळनाडूमधील अनेक ठिकाणी साठेबाजीविरोधात कारवाई केली जात आहे. अधिकाऱ्यांच्या मते देशातील एलपीजी उत्पादन ४० टक्क्यांनी वाढवण्यात आले आहे. मात्र प्रत्यक्षात एजन्सींसमोर लागलेल्या लांबलचक रांगांमुळे संकट अजूनही गंभीर असल्याचे स्पष्ट होत आहे. देशभरात वाढत्या गॅस टंचाईमुळे सामान्य नागरिकांपासून ते व्यावसायिकांपर्यंत सर्वच घटक चिंतेत आहेत.

जहाजांच्या सुरक्षेसाठी भारतीय नौदलाची फारसच्या आखातात युद्धनौका तैनात

नवी दिल्ली: पश्चिम आशियात वाढत्या तणावाच्या पार्श्वभूमीवर भारतीय नौदलाने फारसच्या आखाताजवळ आपल्या अनेक युद्धनौका तैनात केल्या आहेत. सूत्रांच्या माहितीनुसार, भारताकडे येणाऱ्या व्यापारी जहाजांना गरज पडल्यास मदत करता यावी यासाठी या युद्धनौका सज्ज ठेवण्यात आल्या आहेत. अहवालानुसार, भारतीय व्यापारी जहाजे आणि त्यांच्या चालक दलाची सुरक्षा सुनिश्चित करण्यासाठीच नौदलाची ही तैनाती करण्यात आली आहे.

दरम्यान, शनिवारी इराणी अधिकाऱ्यांनी भारताकडे येणाऱ्या भारतीय ध्वजधारक दोन एलपीजी जहाजांना होर्मुज सामुद्रधुनीतून (जलडमरूमध्यातून) जाण्याची परवानगी दिली. यापैकी एक जहाज शिवालिक असून, जहाज ट्रॅकिंग संकेतस्थळानुसार ते सध्या ओमानजवळ दिसून आले होते. हे जहाज २१ मार्चपर्यंत आपल्या गंतव्यस्थानी पोहोचण्याची शक्यता आहे.

बंदर, नौवहन आणि जलमार्ग मंत्रालयाने शुक्रवारी फारसच्या आखातातील समुद्री परिस्थिती तसेच भारतीय नाविक आणि जहाजांच्या सुरक्षेसाठी

उचलण्यात आलेल्या उपाययोजनांची माहिती दिली. मंत्रालयाच्या माहितीनुसार, फारसच्या आखातात भारतीय ध्वज असलेल्या २४ जहाजांवर ६६८ भारतीय नाविक कार्यरत आहेत, तर होर्मुज सामुद्रधुनीच्या पूर्व भागात तीन जहाजांवर ७६ भारतीय नाविक उपस्थित आहेत.

मंत्रालयाने सांगितले की महासंचालक (डीजी) शिपिंग विभाग जहाजमालक, आरपीएसएल संस्था आणि परदेशातील भारतीय दूतावासांशी सतत समन्वय राखून आहे. सर्व जहाजे आणि चालक दलावर सातत्याने नजर ठेवली जात आहे. २४ तास कार्यरत नियंत्रण कक्ष सुरू झाल्यापासून आतापर्यंत २,४२५ हून अधिक दूरध्वनी कॉल आणि ४,४४१ ईमेल प्राप्त झाले आहेत. तसेच अडकलेल्या २२३ पेक्षा अधिक भारतीय नाविकांची सुरक्षित परतफेड सुनिश्चित करण्यात आली आहे.

भारतामधील इराणचे राजदूत मोहम्मद फतहाली यांनीही सांगितले की पश्चिम आशियातील संघर्ष सुरू असतानाही इराण भारताकडे जाणाऱ्या जहाजांना होर्मुज सामुद्रधुनीतून सुरक्षित मार्ग उपलब्ध करून देईल. भारत आणि इराण हे जुने मित्रदेश असल्याचे सांगत त्यांनी दोन्ही देशांचे हित आणि भविष्य परस्परांशी जोडलेले असल्याचे नमूद केले.याशिवाय, भारतातील इराणच्या सर्वोच्च नेत्यांचे प्रतिनिधी अब्दुल मजीद हकीम इलाही यांनी स्पष्ट केले की इराणला होर्मुज सामुद्रधुनी कधीही बंद करायची नव्हती. मात्र सध्याच्या परिस्थितीमुळे जहाजांची वाहतूक प्रभावित झाली असल्याचे त्यांनी सांगितले. वाढत्या तेलदरांचा परिणाम संपूर्ण जगावर होत असल्याने जगातील नेत्यांनी अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांच्यावर युद्ध थांबवण्यासाठी दबाव आणावा, असेही त्यांनी म्हटले.

मध्य पूर्व तणावाच्या पार्श्वभूमीवर एअर इंडियाची ७२ उड्डाणे सुरू, अतिरिक्त सेवांची तयारी

नवी दिल्ली: मध्य पूर्वेमधील वाढत्या तणावाच्या पार्श्वभूमीवर रविवारी एअर इंडिया आणि एअर इंडिया एक्सप्रेस या विमान कंपन्या या प्रदेशातून ये-जा करणाऱ्या एकूण ७२ नियोजित आणि अनियोजित उड्डाणांचे संचालन करणार आहेत. दोन्ही विमान कंपन्या १५ मार्च रोजी जेद्दा आणि मस्कटसाठी त्यांच्या नियोजित सेवा सुरू ठेवणार आहेत. भारत आणि जेद्दा दरम्यान एकूण ८ उड्डाणांचा समावेश आहे.

विमान कंपनीने दिलेल्या माहितीनुसार, एअर इंडिया दिल्ली आणि मुंबई येथून प्रत्येकी एक परतीची सेवा चालवेल, तर एअर इंडिया एक्सप्रेस बेंगळुरू आणि कोझिकोड येथून प्रत्येकी एक उड्डाण संचालित करेल.

एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कटसाठी आणि तेथून एकूण १२ नियोजित उड्डाणेही चालवणार आहे. यात दिल्ली, कोची, कोझिकोड, मंगळुरू, मुंबई आणि तिरुवनंतपुरम येथील सेवांचा समावेश असेल. याशिवाय, एअर इंडिया आणि एअर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त अरब अमिरात (यूएई) आणि सौदी अरेबियासाठी तसेच तेथून एकूण ५२ अनियोजित उड्डाणे संचालित करतील. ही उड्डाणे प्रस्थान स्थानकांवरील स्लॉटची उपलब्धता आणि त्या वेळच्या परिस्थितीनुसार चालवली जाणार आहेत.

विमान कंपनीच्या माहितीनुसार, ही सर्व उड्डाणे संबंधित भारतीय आणि स्थानिक नियामक प्राधिकरणांच्या आवश्यक परवानग्यांसह चालवली जात आहेत. तसेच, एअर इंडिया समूह पश्चिम आशियातील गंतव्यस्थानांसाठी आणि तेथून अतिरिक्त ॲड-हॉक उड्डाणे सुरू करण्याच्या प्रत्येक संधीचा शोध घेत असल्याचेही सांगण्यात आले आहे. दरम्यान, एअर इंडिया आणि इंडिगो नंतर अकासा एअरनेही आपल्या उड्डाणांवर इंधन अधिभार (फ्यूल सरचार्ज) लागू केला आहे. मध्य पूर्वेमधील बदलत्या भू-राजकीय परिस्थितीमुळे एव्हिएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ)च्या किंमती वाढल्याने हा निर्णय घेण्यात आला आहे.

रिलीज से पहले 'धुरंधर द रिवेंज' विवादों में घिरी

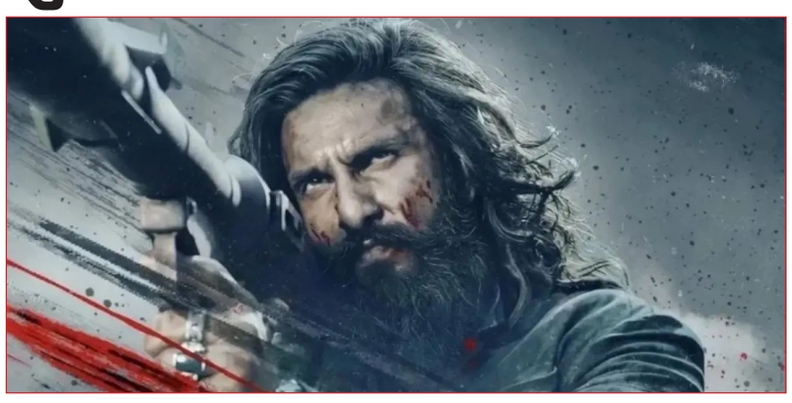

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, आर माधवन और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 18 मार्च को फिल्म का पेड-प्रीव्यू रखा गया है, लेकिन रिलीज होने से पहले ही फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। सिख समुदाय ने फिल्म में रणवीर सिंह के किरदार पर सवाल उठा दिए हैं। उनका कहना है कि फिल्म में सिख समुदाय की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है।

महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता विक्की थॉमस सिंह ने फिल्म के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर और सिख का कैरेक्टर निभाने वाले एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ सीबीएफसी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को लीगल नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि सिख समुदाय तंबाकू नहीं खाता है और सिख धर्म में तंबाकू और धूम्रपान का सख्त निषेध है। ऐसे में फिल्म में इस तरह का सीन दिखाना न केवल धार्मिक रूप से असंवेदनशील है, बल्कि ये पूरे सिख समुदाय की आस्था का अपमान भी है।

विक्की थॉमस सिंह का कहना है कि फिल्म से सिख को धूम्रपान करते दिखाने वाले सभी दृश्य तुरंत हटाए जाएं।

साथ ही फिल्म से जुड़े पोस्टर, ट्रेलर और अन्य प्रचार सामग्री से भी ऐसे दृश्य हटाए जाएं। नोटिस में फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' से ईशनिंदात्मक, आपत्तिजनक और धार्मिक रूप से असंवेदनशील सामग्री को तत्काल हटाने के लिए कहा गया है और सिख समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है, क्योंकि फिल्म में ऐसे दृश्य और प्रचार सामग्री शामिल हैं, जो सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गंभीर रूप से आहत करते हैं। फिल्म में रणवीर सिंह ने जसकीरत सिंह रंगी नाम के काल्पनिक जासूस का रोल प्ले किया है, जो हमजा अली बनकर पाकिस्तान में मौजूद दुश्मनों के बीच रहकर उनकी जानकारी भारत को देता है। फिल्म के पहले पार्ट में दिखाया गया था कि जसकीरत सिंह रंगी एक कैदी है, जिसे प्रशिक्षित करने के बाद भी पाकिस्तान भेजा गया। अब फिल्म के दूसरे पार्ट में जसकीरत सिंह रंगी की जिंदगी से जुड़े कई राज खुलने वाले हैं।

अल्लू अर्जुन ने लॉन्च किया 'अल्लू सिनेमाज'

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में भारत का सबसे बड़ा डॉल्बी सिनेमा लॉन्च किया। इस लॉन्च इवेंट की कुछ तस्वीरें अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। पोस्ट की गई तस्वीरों में अल्लू परिवार समेत गेस्ट के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी का आभार जताया। उन्होंने लिखा, "अल्लू सिनेमाज' की शुरुआत हो गई है। मैं इस लॉन्च के लिए माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। साथ ही, भाटी विक्रमारका, कोमाटी रेड्डी व वेंकट रेड्डी का भी सहयोग और मौजूदगी के लिए धन्यवाद।' उन्होंने लिखा, 'इस सपने को सच करने के लिए पीछे से कड़ी मेहनत करने वाले सभी स्टाफ और टीम के सदस्यों का दिल से धन्यवाद। गीता आर्ट्स का भी खास शुक्रिया। मैं हैदराबाद में बने भारत के सबसे बड़े डॉल्बी सिनेमा का जादू अनुभव करने के लिए सभी को आमंत्रित करता हूं।'

अल्लू सिनेमाज' नामक डॉल्बी सिनेमा लॉन्च कर अभिनेता अल्लू अर्जुन ने एक और प्रसिद्धि अपने नाम कर ली है। हालांकि, इसके बारे में अधिक जानकारी अभी निकलकर सामने नहीं आई है, लेकिन अल्लू ने पोस्ट के जरिए इसका अनुभव लेने के लिए सभी से कहा है।

फिल्मों में अभिनय के अलावा उनका 'गीता आर्ट्स' नामक प्रोडक्शन हाउस है, जो उनके परिवार का है। इसके अलावा, उन्होंने 2022 में अपना खुद का 'अल्लू स्टूडियो' खोला है। इसके अलावा, जून 2023 में, उन्होंने हैदराबाद में 'एएए सिनेमाज' नामक एक मल्टीप्लेक्स लॉन्च किया था।

अल्लू ओटीटी प्लेटफॉर्म से भी जुड़े हैं और उनका खुद का 'आहा' नामक ओटीटी प्लेटफॉर्म है। अल्लू एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जो लंबे समय से मनोरंजन जगत में योगदान दे रहा है। उनके पिता अल्लू अरविंद एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं और दादा अल्लू रामलिंगैया टॉलीवुड के दिग्गज हास्य अभिनेता थे। वे मेगास्टार चिरंजीवी के भांजे और रामचरण के चचेरे भाई हैं।

विजय सेतुपति ने एटली की फिल्ममेकिंग को बताया खास

विजय सेतुपति ने एटली की फिल्ममेकिंग की तारीफ की, बताया क्यों कहा जवान को 'हां'

मुंबई। अभिनेता विजय सेतुपति ने हाल ही में फिल्ममेकर एटली के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' में काम करने के अनुभव पर बात करते हुए बताया कि उन्हें उनकी कहानी कहने की शैली में सबसे ज्यादा क्या पसंद आया। गौरतलब है कि साल 2023 की इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म में शाहरूख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। साथ ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर न सिर्फ जबरदस्त सफलता हासिल की थी, बल्कि साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में भी शामिल रही थी। फिल्म में विजय सेतुपति ने खतरनाक विलेन काली गायकवाड़ का किरदार निभाया था, और उनके साथ नयनतारा और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दी थी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान सेतुपति ने एटली के काम करने के तरीके की तारीफ करते हुए बताया कि उन्हें उनके साथ काम करना क्यों पसंद है। उन्होंने कहा, "मुझे एटली के फिल्म बनाने का तरीका बहुत पसंद है। उन्हें पता होता है कि किसी सीन या शॉट को कहाँ ऊंचाई देनी है और उसे किस तरह दिलचस्प बनाना है। और उन्हें अपने सीन्स को लेकर बहुत भरोसा होता है। इसलिए मुझे उनका काम करने का तरीका अच्छा लगता है।" सेतुपति ने यह भी खुलासा किया कि शाहरूख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना भी इस फिल्म को करने की एक बड़ी वजह थी। उन्होंने कहा, "और फिर जाहिर है, बात शाहरुख सर की भी थी, तो बस उन्हीं के लिए मैंने यह फिल्म की।"

जल्दी बॉडी बनाने की चाह बन रही सेहत के लिए खतरा

युवाओं में कम समय में बॉडी बनाने का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स, रील्स और जिम कल्चर के असर में युवा आकर्षक और मस्कुलर दिखने की चाह में शार्टकट अपनाने लगे हैं।

नियमित वर्कआउट और संतुलित खानपान की जगह प्रोटीन पाउडर, क्रिएटीन और अन्य सप्लीमेंट्स का सहारा लिया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ट्रेंड धीरे-धीरे युवाओं की सेहत पर भारी पड़ रहा है। सप्लीमेंट्स का बढ़ता चलन जिम जाने वाले कई युवा बिना किसी मेडिकल जांच या डॉक्टर की सलाह के सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर देते हैं।

शुरुआत में वजन और मसल्स बढ़ने का असर दिखता है, लेकिन कुछ ही समय में इसके साइड इफेक्ट सामने आने लगते हैं। किडनी पर अतिरिक्त दबाव, हार्मोनल असंतुलन, त्वचा संबंधी समस्याएं और हार्ट से जुड़ी दिक्कतें इसकी प्रमुख शिकायतें हैं।

छात्रों के अनुभव: जब फायदे की जगह नुकसान हुआ

न्यू मार्केट क्षेत्र में पढ़ने वाले एक कॉलेज छात्र अमन (21) ने बताया कि जिम ट्रेनर के कहने पर उन्होंने

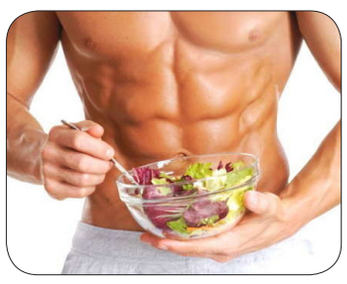

प्रोटीन पाउडर और क्रिएटीन लेना शुरू किया। शुरुआती दो महीनों में वजन बढ़ा, लेकिन इसके बाद चेहरे पर तेज रिएक्शन होने लगे। उनके चेहरे पर दाने और लाल चकत्ते निकल आए। डॉक्टर को दिखाया तो सप्लीमेंट्स तुरंत बंद करने को कहा गया।

इसी तरह, यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले रोहित (23) ने भी सोशल मीडिया देखकर सप्लीमेंट्स लेना शुरू किया। कुछ ही हफ्तों में उनके बॉडी पर दाने निकलने लगे। उन्हें लगा था बाडी बनेगी, लेकिन दाने इतनी बढ़ने लगे की काफी दिक्कत होले लगी और जलन भी हो रहा था। बाद में जांच में पता चला कि जरूरत से ज्यादा सप्लीमेंट लेने से शरीर पर रिएक्शन हो रहा था।

एक्सपर्ट्स की चेतावनी

विशेषज्ञों का कहना है कि बॉडी बनाना कोई जादू नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक और समय लेने वाली प्रक्रिया है। सही डाइट, पर्याप्त नींद और नियमित वर्कआउट से ही शरीर मजबूत बनता है। बिना जरूरत सप्लीमेंट्स लेने से शरीर के अंगों पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। फिटनेस के नाम पर शार्टकट से बचें और धैर्य रखें।

नेचुरल डाइट ही सबसे सुरक्षित जिसमें दाल, दूध, दही, पनीर, फल और हरी सब्जियों से शरीर को पर्याप्त प्रोटीन और पोषक तत्व मिल जाते हैं। जरूरत से ज्यादा बाहरी सप्लीमेंट्स लेने की बजाय घर के खाने पर भरोसा करना ज्यादा सुरक्षित है। सही मात्रा में पोषण मिलने पर शरीर खुद-ब-खुद बेहतर शेप में आने लगता है।

गलत खानपान से बढ़ सकता है यूरिक एसिड

हर तीसरा व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के दर्द से परेशान है। किसी के पूरे जिस्म में दर्द है, किसी की पीठ में दर्द है, किसी के घुटनों में दर्द है और किसी के हाथ-पैरों में दर्द है। हालांकि दर्द की कई वजहें होती हैं। इनमें से एक वजह यूरिक एसिड भी है।दरअसल, यूरिक एसिड एक अपशिष्ट पदार्थ है, जो खाद्य पदार्थों के पाचन से पैदा होता है और इसमें प्यूरिन होता है। जब प्यूरिन टूटता है, तो उससे यूरिक एसिड बनता है। किडनी यूरिक एसिड को फिल्टर करके इसे पेशाब के जरिये जिस्म से बाहर निकाल देती है।

जब कोई व्यक्ति अपने खाने में ज्यादा मात्रा में प्यूरिक का इस्तेमाल करता है, तो उसका जिस्म यूरिक एसिड को उस तेजी से जिस्म से बाहर नहीं निकाल पाता। इस वजह से जिस्म में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने लगती है।

ऐसी हालत में यूरिक एसिड ख़ून के जरिए पूरे जिस्म में फैलने लगता है और यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा हो जाते हैं, जिससे जोड़ों में सूजन आ जाती है। इसकी वजह से गठिया भी हो जाता है। जिस्म में असहनीय दर्द होता है।

इससे किडनी में पथरी भी हो जाती है। इसकी वजह से पेशाब संबंधी बीमारियां पैदा हो जाती हैं। मूत्राशय में असहनीय दर्द होता है और पेशाब में जलन होती है। पेशाब बार-बार आता है। यह यूरिक एसिड स्वस्थ व्यक्ति को बीमार कर देता है।

यूरिक एसिड से बचने के लिए अपने खान-पान पर ख़ास तवज्जो दें। दाल पकाते वक्त उसमें से झाग निकाल दें। कोशिश करें कि दाल कम इस्तेमाल करें। बिना छिलकों वाली दालों का इस्तेमाल करना बेहतर है। रात के वक्त दाल, चावल और दही आदि खाने से परहेज करें। हो सके तो फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

जौ

यूरिक एसिड से निजात पाने के लिए जौ का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें। जौ की ख़ासियत है कि यह यूरिक एसिड को सोख लेता है और उसे जिस्म से बाहर करने में कारगर है। इसलिए जौ को अपने रोजमर्रा के खाने में जरूर शामिल करें। गर्मियों के मौसम में जौ का सत्तू पी सकते हैं, जौ का दलिया बना सकते हैं, जौ के आटे की रोटी बनाई जा सकती है।

जीरा

यूरिक एसिड के मरीजों के लिए जीरा भी बहुत फायदेमंद है। जीरे में आयरन, कैल्शियम, जिंक और फॉस्फोरस पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट उच्च मात्रा में मौजूद होता है, जो यूरिक एसिड की वजह से होने वाले जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करता है। यह टॉक्सिंस को जिस्म से बाहर करने में भी मददगार है।

नींबू

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ने से रोकता है। इसलिए नींबू का इस्तेमाल करना चाहिए। ज्यादा परेशानी होने पर चिकित्सक से परामर्श लें।

अंडरआर्म्स की डार्कनेस बढ़ने के कारण और बचाव

हम में से कई लोग काली अंडरआर्म्स की समस्या से परेशान रहते हैं। खासकर महिलाएं इस वजह से स्लीवलेस या ऑफ-शोल्डर कपड़े पहनने में झिझक महसूस करती हैं, लेकिन यह परेशानी केवल महिलाओं तक ही सीमित नहीं है। पुरुषों को भी अंडरआर्म्स की डार्कनेस का सामना करना पड़ता है, जो आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती है। गर्मियों के मौसम में पसीना, रगड़ और गलत स्किन-केयर आदतों के कारण यह समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है।

कई बार लोग इसे सिर्फ गंदगी या पसीने से जुड़ी समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि इसके पीछे हार्मोनल बदलाव, गलत हेयर रिमूवल तरीके और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स भी जिम्मेदार हो सकते हैं। अक्सर लोग काली अंडरआर्म्स से छुटकारा पाने के लिए बाजार में मिलने वाले महंगे क्रीम और ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, लेकिन ये हर बार असरदार साबित नहीं होते। ऐसे में जरूरी है कि पहले इस समस्या के असली कारणों को समझा जाए और फिर सही देखभाल व घरेलू उपायों को अपनाया जाए, ताकि त्वचा का रंग निखरे और अंडरआर्म्स फिर से साफ और हेल्दी दिखें।

काली अंडरआर्म्स के मुख्य कारण

1. शेविंग की आदत

अंडरआर्म्स के बाल हटाने के लिए शेविंग सबसे आसान तरीका जरूर है, लेकिन यह त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शेविंग केवल ऊपरी बाल काटती है, जिससे बालों की जड़ें दिखने लगती हैं और त्वचा काली नजर आती है। बार-बार शेव करने से त्वचा सख्त हो जाती है, जलन और खुजली

होती है, जिससे डार्कनेस बढ़ जाती है।

2. टाइट कपड़े पहनना

टाइट और सिंथेटिक कपड़े अंडरआर्म्स में लगातार रगड़ पैदा करते हैं। इससे जलन होती है और धीरे-धीरे त्वचा का रंग काला पड़ने लगता है। गर्मियों में बॉडी-हगिंग टॉप या टाइट स्लीव्स इस समस्या को और बढ़ा देते हैं।

3. वैक्सिंग का अधिक इस्तेमाल

वैक्सिंग बालों को जड़ से निकालती है, लेकिन इसके साथ त्वचा की ऊपरी परत भी प्रभावित होती है। बार-बार वैक्सिंग करने से इंफेक्शन, जलन और पिग्मेंटेशन की समस्या हो सकती है, जिससे अंडरआर्म्स काली पड़ जाती हैं।

4. दवाइयों का साइड इफेक्ट

बर्थ कंट्रोल पिल्स, इंसुलिन या हार्मोन से जुड़ी कुछ दवाएं मेलानिन बढ़ा सकती हैं। इसका असर अंडरआर्म्स की त्वचा पर भी दिखाई देता है।

5. जेनेटिक कारण

कई बार काली अंडरआर्म्स जेनेटिक भी होती हैं। अगर परिवार में किसी को यह समस्या है, तो आपको भी हो सकती है।

6. डेड स्किन का जमाव

अंडरआर्म्स में पसीना और गंदगी ज्यादा जमा होती है। अगर इसे नियमित रूप से साफ न किया जाए, तो डेड स्किन जमा होकर त्वचा को काला बना देती है।

7. हाइपरपिग्मेंटेशन

यह एक मेडिकल कंडीशन है, जिसमें त्वचा ज्यादा मेलानिन बनाने लगती है। पीसीओएस, थायरॉइड या इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी समस्याएं इसकी वजह हो सकती हैं।

8. हार्श डियोडरेंट का इस्तेमाल

ज्यादातर डियोडरेंट में अल्कोहल और केमिकल होते हैं, जो संवेदनशील त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से अंडरआर्म्स काली हो सकती हैं।

9. खराब हाइजीन

अगर अंडरआर्म्स की सही सफाई न की जाए, तो पसीना और बैक्टीरिया जमा होकर डार्कनेस बढ़ा देते हैं।

काली अंडरआर्म्स को ठीक करने के आसान घरेलू उपाय

एक्सफोलिएशन करें

3-4 दिन में एक बार हल्के हाथों से स्क्रब करें। चीनी, शहद और नींबू या बेसन-दही का स्क्रब डेड स्किन हटाने में मदद करता है।

आलू का रस - आलू में नेचुरल ब्लीचिंग गुण होते हैं। इसे काटकर अंडरआर्म्स पर रगड़ें या रस लगाकर 15 मिनट छोड़ दें।

एलोवेरा जेल - फ्रेश एलोवेरा जेल लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और पिग्मेंटेशन धीरे-धीरे कम होता है।

नींबू का इस्तेमाल - नींबू का रस हल्के हाथ से लगाएं, लेकिन जलन से बचने के लिए बाद में मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

हल्दी और दही - हल्दी और दही का पेस्ट एंटी-इंफ्लेमेटरी होता है और त्वचा को साफ करने में मदद करता है।

नारियल तेल - रोजाना नारियल तेल से हल्की मालिश करने से त्वचा मॉइश्चराइज रहती है और रंग निखरता है।

ईंधन आपूर्ति को लेकर जिलाधिकारी की बैठक

गैस-डीजल-पेट्रोल की कमी से जुड़ी अफवाहों से बचने की अपील

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। मृदुल चौधरी, जिलाधिकारी झांसी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में घरेलू गैस, डीजल और पेट्रोल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में ईंधन की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने के विषय में विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जनपद की सभी गैस एजेंसियां घरेलू गैस सिलेंडरों की डिलीवरी केवल गैस बुकिंग के आधार पर ही सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई की जाएगी। यदि कहीं घरेलू गैस का अनधिकृत वितरण पाया गया तो संबंधित गैस एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने गैस एजेंसियों को अपने कॉल सेंटर सक्रिय रखने तथा उपभोक्ताओं से नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता ई-केवाईसी के लिए संपर्क करता है तो उसकी प्रक्रिया तत्काल पूरी कराई जाए। जनपद की सभी गैस एजेंसियों पर पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था भी की गई है ताकि व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और गैस बुकिंग के बाद प्राप्त डीएसी (Delivery Authentication Code) के साथ ही सिलेंडर की डिलीवरी लें। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि जनपद में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी उपभोक्ता को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में तीनों प्रमुख गैस कंपनियां—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड—के माध्यम से गैस एजेंसियों को नियमित रूप से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी सौम्या अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार के नियमों के अनुसार गैस सिलेंडर डिलीवरी की तिथि से अगली बुकिंग का अंतराल ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन और शहरी क्षेत्रों में 25 दिन निर्धारित किया गया है। इसलिए उपभोक्ता इस नियम का पालन करें। उन्होंने यह भी बताया कि गैस बुकिंग के बाद प्राप्त डीएसी नंबर संबंधित गैस एजेंसी के साथ साझा करने के बाद ही सिलेंडर की डिलीवरी संभव होगी। बिना बुकिंग और डीएसी के किसी भी गैस एजेंसी द्वारा सिलेंडर की डिलीवरी नहीं की जाएगी। जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी नहीं कराई है, उनसे जल्द प्रक्रिया पूरी कराने का अनुरोध किया गया है।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि जनपद में डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और ऑयल कंपनियों द्वारा रिटेल आउटलेट्स को नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है। इसलिए नागरिकों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन की खरीद करें। साथ ही गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिया गया कि यदि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या उत्पन्न हो तो तत्काल नजदीकी थाने को सूचना दें। बैठक में एडीएम प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, एडीएम न्याय अरुण कुमार गौड़, एडीएम नमामि गंगे योगेंद्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रमोद झा, सीएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. सचिन माहौर, डीआईओएस रती वर्मा, सीएफओ आर.के. राय, एआरओ, सप्लाई इंस्पेक्टर तथा जनपद की विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जो मुकाबला नहीं कर पाए, वे फैला रहे देश में अराजकता : सीएम योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

कैथल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग जनता का विश्वास खो चुके हैं और सीधे मुकाबले की स्थिति में नहीं हैं, वे अब अफवाहों और अराजकता के जरिए देश में अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

शनिवार को हरियाणा के कैथल स्थित सौंगल गांव में बाबा मुकुट नाथ मठ के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के लिए देश विरोधी और धर्म विरोधी तत्वों को पहचान कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित रहेगा तभी सनातन सुरक्षित रहेगा और इन दोनों को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत पीर गणेश नाथ के आठमान भंडारा और शंखाढाल कार्यक्रम में पूजा-अर्चना के बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद दशकों तक सरकारों को वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति से फुर्सत नहीं थी, जिसके कारण राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्रों की उपेक्षा हुई। योगी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल अयोध्या में भव्य मंदिर बना है, बल्कि काशी, महाकाल और केदारनाथ धाम का भी कायाकल्प हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं पर उठ रहे सवालों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी हार का ठीकरा न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग पर फोड़ते हैं, जो उनकी हताशा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप की नीति अब नहीं चलेगी। वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया युद्ध और आर्थिक संकट से त्रस्त है, लेकिन भारत 145 करोड़ देशवासियों के भरोसे और किसानों के पुरुषार्थ से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम में शेरनाथ महाराज को पीर की पदवी दी गई, जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों के सानिध्य में सनातन की ध्वज पताका हमेशा ऊंची रहेगी और इसे कोई भी ताकत झुका नहीं सकती। इस अवसर पर विधायक बालकनाथ, राजनाथ महाराज, हरिनाथ महाराज और अशोक गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सीएम योगी ने कहा कि हमारा दायित्व है कि जो लोग देशहित में कार्य कर रहे हैं, उन्हें समर्थन-सहयोग करें और जो लोग देशविरोधी-धर्मविरोधी आचरण कर रहे हैं, उन्हें नकारना, दुत्कारना और बाहर का रास्ता दिखाना है। भारत का हर सनातन धर्मावलंबी चाहता था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो, क्योंकि राम सनातन के प्रतीक और भारत के आधार स्तंभ हैं। 500 वर्ष पहले विदेशी आक्रांता ने रामजन्मभूमि पर मंदिर को अपवित्र करते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया था।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 175 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। आज कियारा ओयसिस भगवन्तपुरा झांसी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत ₹सामूहिक विवाह का कार्यक्रम₹ का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में श्री बिहारी लाल आर्य, मा० महापौर, नगर निगम झांसी एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद, समाज कल्याण अधिकारी श्रीमती ललिता यादव उपस्थित रही। इस अवसर पर कुल 175 जोड़ों (159 हिन्दू एवं 16 मुस्लिम) का विवाह सम्पन्न कराया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मा0 अतिथिजनों ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में मदद करना है। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक जोड़े पर रू० 1 लाख उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा व्यय किया जा रहा है, जिसमें से 60 हजार रुपये कन्या के खाते में और 25 हजार रुपये के उपहार दिए जाते हैं. इसके साथ रू0 15 हजार की धनराशि कार्यक्रम आयोजन पर व्यय की जाती है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत विशेष शिविर का किया गया आयोजन

भूपेंद्र सिंह

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का द्वितीय दिवस राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत तथा एन एस एस के लक्ष्य गीत के साथ प्रारंभ हुआ।

तत्पश्चात स्वयं सेवकों को योगाभ्यास कराया गया। इसके बाद स्वयं सेवकों की टोलियां ने डां धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व मे जमुनियाबंगर में प्रत्येक घर का सर्वे किया किया। सर्वे में घर के मुखिया का नाम, घर के सदस्यों की संख्या, शिक्षा का स्तर ,वोटर लिस्ट में नाम, एस ए आर कराया है कि नहीं, शौचालय बना है कि नहीं आयुष्मान कार्ड बना है कि नहीं, कॉलोनी मिली कि नहीं तथा सरकार की किन-किन योजनाओं का लाभ मिला या नहीं , 70 घरों से जानकारी हासिल की गई। द्वितीय सत्र मे बौद्धिक के अन्तर्गत कार्यक्रम अधिकारी डां धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी ने स्वयं सेवकों को सरकारी नौकरी को तैयारी करने व अपने पढाई के स्तर को बढाने के बिषय मे विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आलस्य छात्र छात्राओं का सबसे ज्यादा दुश्मन है। जीवन मे सफलता के लिए कठिन परिश्रम, लग्न व ईमानदारी बडो.का सम्मान जरुरी है। छात्र सुरज कुमार द्वारा स्वयं सेवकों का माई भारत पोर्टल मे रजिस्टेसन कराया गया व उनको सिखाया गया कि किस प्रकार रजिस्टेसन किया जायेगा। इस अवसर पर गाँव के लोग व महाविद्यालय से कन्हैया लाल, देशराज उपस्थित रहे।

गुरु हर राय साहिब जी का जीवन सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है: भैयाजी

संवाददाता

समालखा। सिखों के सातवें गुरु हरराय के गुरुगद्दी दिवस के अवसर पर शनिवार को हरियाणा के समालखा में सिख पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी ने समाज को प्रकृति संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि गुरु हर राय का जीवन करुणा, सेवा और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुरु हरराय साहिब जी का जन्म 16 जनवरी 1630 को कीरतपुर साहिब में हुआ था। वे छठे गुरु हरगोबिन्द के पौत्र थे। वह वर्ष 1644 में मात्र 14 वर्ष की आयु में गुरुगद्दी पर विराजमान हुए। अपने जीवनकाल में उन्होंने मानव सेवा के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा को विशेष महत्व दिया। उन्होंने औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के विशाल बाग विकसित किए और ज़रूरतमंदों के लिए औषधालय स्थापित किए। इस अवसर पर भैया जी जोशी ने अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है— हरियाणा के प्रेरणादायी महापुरुष, भगवद्गीता पर आधारित प्रदर्शनी, सरस्वती नदी से संबंधित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रस्तुति तथा श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर उनके जीवन और बलिदान पर आधारित हस्तनिर्मित प्रदर्शनी। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में हरियाणा में संघ को जीवन देने वाले महापुरुषों के योगदान को भी प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि गुरु हर राय का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि सेवा, करुणा और प्रकृति के प्रति सम्मान के साथ समाज और मानवता की सेवा करें तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें। उल्लेखनीय है कि 14 मार्च को गुरु हर राय के गुरुगद्दी दिवस के अवसर पर सिख पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

'ओडिशा पर्व' में शामिल हुईं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के साथ जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में आयोजित 'ओडिशा पर्व-2026' में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित किया और दिल्ली में रहने वाले उड़िया समुदाय को इस सांस्कृतिक उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन को ओडिशा की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और आस्था का जीवंत उत्सव बताते हुए इसकी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत गर्व और खुशी की बात है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ओडिशा की संस्कृति, कला, संगीत, नृत्य और परंपराओं को इतने भव्य रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। दिल्ली में रहने वाला हर उड़िया परिवार आज भी अपनी जड़ों, अपनी सांस्कृतिक विरासत और अपनी मातृभूमि ओडिशा से गहराई से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस भव्य आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2017 से लगातार आयोजित हो रहा 'ओडिशा पर्व' आज लगभग एक दशक की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर चुका है। दिल्ली में रहने वाला हर उड़िया परिवार पूरे वर्ष इस पर्व का उत्सुकता से इंतजार करता है क्योंकि यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है बल्कि यह लोगों को अपनी परंपराओं और पहचान से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके लिए यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि उन्हें इस मंच से दिल्ली में बसे अपने उड़िया परिवार को अपने विस्तारित परिवार की तरह संबोधित करने का अवसर मिला है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन भारत की विविधता और एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह विशेष सौभाग्य प्राप्त हुआ कि जब उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने की जिम्मेदारी मिली तो वह सबसे पहले ओडिशा जाकर प्रभु जगन्नाथ के दर्शन करने गई। दिल्ली में आयोजित भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भी उन्होंने श्रद्धापूर्वक भाग लिया और उस यात्रा की परंपराओं का पालन करते हुए 'छेरा पहरा' की पवित्र रीति में भी सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में लगभग 15 लाख लोग ओडिशा से जुड़े हुए हैं और यही इस महानगर की विशेषता है कि यहां देश के हर राज्य और हर संस्कृति के लोग मिलकर रहते हैं।

क्षेत्र का विकास और प्रगति का पहिया निरंतर बढ़ रहा है आगे: ज्योतिरादित्य सिंधिया

संवाददाता

भोपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जब जनसेवक के रूप में जिम्मेदारी का दायित्व लिया जाता है, तो क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हर स्थिति में कार्य करना पड़ता है। क्षेत्र में विकास और प्रगति का पहिया निरंतर आगे बढ़ रहा है। सड़क, ट्रांसफार्मर और सब-स्टेशन जैसी अनेक विकास योजनाएं जनता के हित में संचालित की जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शनिवार को मध्य प्रदेश के गुना में जलसा गार्डन आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर जिले में दिसंबर 2024 से जनवरी 2026 के मध्य आयोजित विभिन्न सामाजिक अधिकारिता शिविरों में चिन्हित कुल 1928 वरिष्ठजन एवं दिव्यांगजनों को 8562 कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनकी कुल लागत 168.45 लाख रुपये है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया तथा स्वयं उनके पास जाकर सहायक उपकरण वितरित किए और उनका हालचाल भी जाना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुना की पावन धरती पर इस प्रकार का कार्यक्रम विशेष महत्व रखता है। दिव्यांगजन और वरिष्ठजन समाज के सम्मानित सदस्य हैं और उनकी सेवा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक जनसेवक का कर्तव्य है कि वह हर परिस्थिति में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहे और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाए। सिंधिया ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब भी वे गुना के सर्किट हाउस में रुकते हैं, तो सुबह जनसंपर्क के दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर अनेक लोग उनसे मिलने आते हैं। इन मुलाकातों में कई बार विशेष क्षमता वाले उनके परिजन भी शामिल होते हैं, जिनसे वे जमीन पर बैठकर उनके जीवन और समस्याओं पर चर्चा करते हैं और उनके समाधान का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली के माध्यम से नशे से होने वाले विभिन्न दुष्परिणामों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत और विधायक पन्नालाल शाक्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्र महेन्द्र सिंह सिसौदिया, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, उपाध्यक्ष सारिका लुम्बा, नगरपालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्म सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, अपर कलेक्टर अखिलेश जैन सहित अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को गुना के समृद्धि ग्राम उमरी–आरी में स्थापित 'समृद्धि केंद्र' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र में लगाई गई विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन करते हुए उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनियों के माध्यम से बताया गया कि समृद्धि केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि सेवाएं, डिजिटल व्यापार, ई-गवर्नेंस तथा सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे ग्रामीणों को अलग-अलग कार्यों के लिए विभिन्न स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जानकारी दी गई कि इस नवाचार के लिए देशभर से केवल तीन गांवों का चयन किया गया है, जिनमें उमरी–आरी भी शामिल है। मध्य प्रदेश से यह एकमात्र चयनित ग्राम है। इस प्रयोग की सफलता के बाद इस मॉडल को अन्य गांवों में भी विस्तार दिए जाने की संभावना है। समृद्धि केंद्र के माध्यम से शिक्षा एवं कौशल विकास, कृषि सहायता, स्वास्थ्य एवं टेलीमेडिसिन, ई-गवर्नेंस सेवाएं, वित्तीय समावेशन, ई-कॉमर्स, डिजिटल कनेक्टिविटी, निगरानी एवं सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह केंद्र लगभग पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित आसपास के गांवों को भी सेवाएं प्रदान करेगा तथा विभिन्न सामाजिक एवं जनसांख्यिकीय परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करेगा।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं. १४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रूज (पूर्व), मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। **संपादक सुनील कुमार तिवारी,** RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, **संपादकीय कार्यालय: कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob. 8898271111**